SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

2+2 संवाद : भारत अमेरिका संबंधो का नया आधार

गिरीश कांत पाण्डेय, Ph.D., D. Litt., **प्रवीण कड़वे,** Ph.D., **वर्षा विश्वकर्मा,** शोधार्थी
रक्षा अध्ययन विभाग
शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors
गिरीश कांत पाण्डेय, Ph.D., D. Litt.
प्रवीण कड़वे, Ph.D.
वर्षा विश्वकर्मा

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 29/11/2023
Revised on : -----
Accepted on : 06/12/2023
Plagiarism : 00% on 29/11/2023

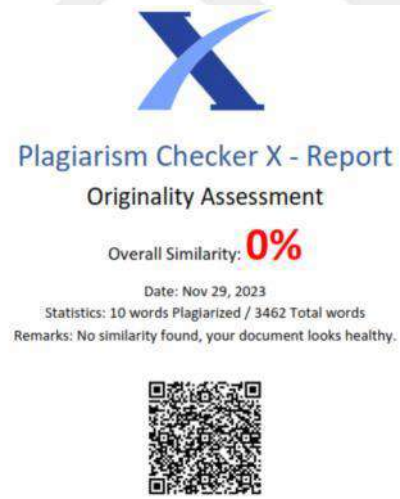

शोध सार

वर्तमान वैश्विक जगत मे हो रही घटनाक्रमो को विश्लेषित करने पर यह कथन शत प्रतिशत सार्थक सिद्ध होता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति मे "हित स्थायी होते हैं, शत्रु या मित्र नहीं" क्योकि यदि हम भारत अमेरिका संबंधो का इतिहास से आज स्थापित संबंधो का विश्लेषण करते हैं तो, इन राज्यो का हितार्थ ही इनके संबंध आधार को स्थापित किये हुये हैं। भारत–अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग व्यापक और बहुक्षेत्रीय है। दोनो राज्यों के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक यात्राओं के नियमित आदान–प्रदान ने द्विपक्षीय सहयोग को निरंतर गति प्रदान की है इसी उद्देश्य पर आधारित भारत–अमेरिका 2+2 संवाद ने दोनो राज्यो के मध्य व्यापक और निरंतर विस्तारित संवाद के घटनाक्रमों ने जुड़ाव के लिए एक दीर्घकालिक ढांचा स्थापित किया है। तथ्य यह है कि – 21 वीं सदी मे दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र और सबसे बड़े लोकतंत्र के बीच मजबूत साझेदारी है जो साझा मूल्य और अभिसरण हितो पर आधारित हैं।

मुख्य शब्द

द्विपक्षीय, रणनीति, कॉमकासा, कूटनीति, समझौता, रक्षा प्रौद्योगिकी.

प्रस्तावना

भारत–अमेरिका द्विपक्षीय संबंध एक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के रूप मे विकसित हुए है जो दोनो राज्यो के साझा लोकतांत्रिक मूल्यो और द्विपक्षीय क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दो पर आपसी हितो के बढ़ते प्रभाव एवं परिणाम अनुकूलता अभिसरण पर आधारित है। जिनको मजबूत आधार प्रदान करने मे भारत–अमेरिका 2+2 संवाद की भूमिका अहम रही है। भारत अपने रणनीतिक और सुरक्षा मुद्दो पर विचार अभिव्यक्ति करने हेतु 2+2

संवाद प्रारूप तंत्र को अहम मानता है। इसी के परिणाम स्वरूप भारत के चार प्रमुख रणनीतिक साझेदार है, रूस, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जिनमे से 3 क्वाड समूह के भागीदार भी है। अमेरिका के साथ 2+2 संवाद की शुरुआत दो लोकतांत्रिक राज्यो भारत व अमेरिका द्वारा रणनीतिक साझेदारी के लिए एक सकारात्मक दूरंदेशी दृष्टि प्रदान करने और उनके राजनयिक संबंध व सुरक्षात्मक संबंध मे तालमेल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता के प्रयास के प्रतिबिंब के रूप मे देखा जा सकता है। किन्तु सर्वप्रथम हमें यह समझने की आवश्यकता है 2+2 संवाद क्या है? एवं इस संवाद तंत्र का राज्यों पर प्रभाव, महत्व और परिणाम किस प्रकार प्रभावित होता है?

2+2 वार्ता या संवाद विदेश नीति मे अपनाया गया एक कूटनीतिक शब्द है जिसके अंतर्गत दो देशों के रक्षा और विदेश मंत्रालयों के बीच संवाद की प्रक्रिया होती है। जिसमे मंत्रिस्तरीय संवाद भागीदारों की दोनो वार्ता भागीदार राज्यो के राजनीतिक कारको को ध्यान में रखते हुये एक–दूसरे की रणनीतिक चिंताओ और संवेदनशीलता को बेहतर ढंग से समझने और उनकी सराहना करने में सक्षम बनाता है। यह तेजी मे बदलते वैश्विक परिवेश मे राष्ट्रो के मध्य अधिक एकीकृत रणनीतिक संबंध बनाने में मदद करता है।

भारत–अमेरिका 2+2 डायलॉग का इतिहास

पिछले कुछ वर्षों में भारत–अमेरिका के संबंधों मे सकारात्मक वृद्धि देखी जा सकती है। इसका अंश भारत मे अमेरिकी राजदूत केनेथ आई. जस्टर के भाषण मे परिलक्षित हुआ जिसमे उन्होंने कहा– निश्चित रूप से, हम समय–समय पर असहमत हुए हैं। लेकिन मित्र के रूप में हम (भारत व अमेरिका) एक–दूसरे को स्वीकार करते है क्योकि, दोनो ही राज्य साझा राष्ट्रीय हित रखते हैं। इस स्वीकृति ने हमें असहमति के मध्य कार्य करने मे समर्थ बनाया है। 4 दोनो राज्य महत्वपूर्ण से मूलभूत हित जैसे समुद्री सुरक्षा हिन्द–प्रशांत क्षेत्र मे शांती एवं सुरक्षा, आतंकवाद पर बढ़ती घटनाओ पर चिंता, आपदा एवं राहत संबंधी सहयोग, चीनी गतिरोध मुद्दो पर मतो पर सहमति रखते है। अमेरिका ने 2016 में भारत की एक प्रमुख रक्षा भागीदार के रूप मे मान्यता दी। दोनो राज्यों के बीच पिछले कुछ साल में कई अहम रक्षा समझौते हुए हैं। इस विशेष दर्जे के पश्चात् 2+2 डायलॉग की प्रासंगिकता को आगे बढ़ाने में सहायक हुआ है।

भारत–अमेरिका प्रथम टू प्लस टू संवाद

किसी भी राज्य द्वारा दूसरे राज्य की रणनीतिक संवेदनशीलता को अधिक गहराई से समझने में 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसी धारणा फलस्वरूप भारत ने सितंबर 2018 में नई दिल्ली मे अमेरिका के साथ साझा प्रतिबद्धता के प्रतिबिम्ब के रूप मे 2+2 वार्ता आयोजित की। तात्कालिन रक्षा मंत्री श्रीमति निर्मला सीतारमण व विदेश मंत्री स्व. सुषमा स्वराज ने 6 सिंतबर को यूएस विदेश मंत्री माइकल आर. पोम्पियो और रक्षा सचिव जेम्स एन मैटिस का स्वागत करते हुए राजनयिक सहयोग के 70 से अधिक वर्षो के संबंध को रणनीतिक विशेष मोड़ प्रदान किया जो कि ट्रम्प प्रशासन और भारतीय भविष्य हितार्थ के साझा प्रतिरूप पर आधारित रहा क्योंकि उसके पूर्व भी दोनों राज्यों मध्य लॉजिस्टिक क्सचेंज, मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (LEMOA), व इंधन विनिमय समझौता (2015) जैसे महत्वपूर्ण समझौते हुये है। जिसके बाद 22 संवाद के परिणाम स्वरूप स्त्रातेजिक महत्व का समझौता संचार, संगतता और सुरक्षा समझौता (COMCASA) हुआ।

(Source: https://www.gktoday.in/22-dialogue-india-us-held-delhi/)

C0MCASAकॉमकासा समझौता

COMCASA संक्षेप में, CISMOA (कम्युनिकेशन इंटरऑपरेबिलिटी एंड सिक्योरिटी मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) है जिसे लगभग एक दशक पहले अमेरिका द्वारा सुझाया गया। कॉमकासा करार को हिन्दी मे संचार, सक्षमता सुरक्षा समझौता कहा गया है, इसकी अवधि 10 वर्ष के लिये रखी गयी। यह भारत की सैन्य जरूरत को ध्यान मे रखते हुए भारत के मेक इन इंडिया कार्यक्रम को बढ़ावा देगा क्योंकि, यह यूएस निजी कंपनियों को भारत में उच्च तकनीकी वाले हथियारों को यहाँ निर्माण करने की सुविधा देगा।

COMCASA के माध्यम से भारत को E17, C-130 और P-8I जैसे अमेरिकी मूल के सैन्य प्लेटफार्मों के लिए एडिक्रप्टेड संचार के आदान प्रदान हेतु विशेष उपकरण खरीदने की अनुमति देता है। यह डेटा लिंक सबसे सुरक्षित संचार मंच माना जाता है COMCASA दोनो पक्षो को इंटरऑपरेबल अर्थात् एक ही संचार प्रणाली पर काम करने की सुविधा देगा यह वर्तमान परिस्थितियों में चीन और पाकिस्तान द्वारा सैन्य तैनाती पर वास्तविक समय की अमेरिकी खुफिया जानकारी भारत को साझा करने के लिए अनुबंधित करेगा।

COMCASA के अलावा भारत – अमेरिका ने व्यापारिक सहयोग, आतंकवादी पर सूचना– सामाकरण प्रयासों को बढ़ाने व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2396 को जो विदेशी आतंकवादियों की वापसी पर आधारित है, को लागू करने पर सहमति हुई।

2010 से 2020 तक भारत में अमेरिका द्वारा आयात प्रतिशत का तुलनात्मक विवरण

विशेषता	रूस	संयुक्त राज्य अमेरिका	फ्रांस	इजराइल	यूनाइटेड किंगडम
2020	33%	14%	36%	4%	0%
2019	38%	24%	23%	4%	0%
2018	74%	2%	13%	7%	0%
2017	49%	9%	14%	24%	2%
2016	63%	1%	4%	25%	4%
2015	63%	9%	4%	12%	5%
2014	51%	33%	2%	5%	4%
2013	72%	18%	1%	2%	3%
2012	86%	3%	1%	4%	4%
2011	69%	6%	1%	4%	4%
2010	79%	2%	1%	4%	4%

(स्त्रोत: https://comtradeplus.un.org)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर संयुक्त राष्ट्र COMTRADE डेटाबेस के अनुसार 2022 के दौरान संयुक्त राज्य मशीनरी परमाणु रिएक्टरों बॉयलरों से भारत का आयात 3.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

भारत–अमेरिका द्वितीय टू प्लस टू संवाद

भारत– अमेरिका के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी कि पृष्टि के रूप में भारत–अमेरिका द्वितीय टू प्लस टू संवाद का क्रम आगे बढ़ाया गया जो, कि 18 दिसम्बर 2019 में वाशिंगटन डीसी में आयोजित किया गया। यहाँ तात्कालिन अमेरिकी रक्षा सचिव, मार्क टी एस्पर और अमेरिकी विदेश मंत्री माइकल आर. पोम्पियो ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मेजबानी की इस द्विपक्षीय बैठक में क्रॉस–कटिंग विदेश नीति और रक्षा, सुरक्षा मुद्दों की व्यापक समीक्षा की गयी।

इस बैठक में रक्षा क्षेत्र में सह–उत्पादन और सह विकास के लिये ओद्योगिक सुरक्षा अनुबंध (आई.एस.ए) पर समझौता हुआ। भारत अमेरिका रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (DTTI) को अंतिम रूप देन हेतु वार्ता हुई

जिसमें भारत अमेरिका के रक्षा कंपनियों और सरकार के संवाद और आदान प्रदान के लिए स्थायी तंत्र स्थापित करने की रूपरेखा तय की गयी। आपदा एवं राहत सहयोग, COMCASA के क्रियान्वयन पर समीक्षा, टाइगर ट्रायम्फ व्यायाम जिसमे भारत अमेरिका द्वारा त्रि–सेवा और उभयचर अभ्यास को वार्षिक आधार पर आयोजित करने हेतु निर्णय लिया गया एवं दोनों देशों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी समझौता किया, जिसके तहत बौद्धिक संपदा अधिकारो पर सामान्य ढाँचे पर सहमति स्थापना हो सके। यह समझौता 2005 के समझौते का स्थान लिया। साथ ही दोनो पक्षों ने लोगो से लोगो के संबंधों में और मजबूत करने के नई पहलो का स्वागत किया जिसमें विश्वविद्यालय अनुसंधान साझेदारी, न्यायिक सहयोग मे वृद्धि जैसे पहल शामिल किये गये।

इसके अलावा भविष्य को ध्यान मे रखते हुये जल प्रबंधन हेतु सहयोग व हिन्द–प्रशांत क्षेत्र मे शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाने मे सहयोगात्मक प्रयास हेतु प्रतिबद्धता हेतु सहमत हुए इन सभी महत्वपूर्ण आयामो पर परिचर्चा एवं समझौतो के बीच एक अन्य अत्यन्त महत्वपूर्ण भारत–अमेरिका रक्षा संबन्धी सहयोग समझौता (BECA) बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट पर दोनो देशो के प्रतिनिधि मंडल ने परिचर्चा की एग्रीमेंट के होने के बाद यह दोनो देशों के बीच भू–स्थानिक सूचनाओ के आदान–प्रदान को सक्षम करेगा।

भारत–अमेरिका तृतीय टू प्लस टू संवाद

भारत–चीन गतिरोध एवं कोविड –19 महामारी जैसे वैश्विक समस्या के बीच भारत–अमेरिका तृतीय टू प्लस टु संवाद का आयोजन नई दिल्ली में 27 अक्टूबर 2020 में किया गया जिसमें भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री माइकल आर. पॉम्पिओ और रक्षा सचिव डॉ. मार्क टी. एस्पर का नई दिल्ली में स्वागत किया। व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को मजबूती प्रदान करने व लोकतंत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता व नागरिकों की मजूबत भागीदारी बढ़ाने हेतु भारत व अमेरिका 2+2 संवाद का दाँचा बनाया गया। इस संवाद का उद्देश्य कोविंड–19 महामारी के उत्पन्न वैश्विक समस्याओं जैसे टीके का निर्माण, मूलभूत स्वास्थ्य सेवाओं को प्रत्येक राष्ट्र के नागरिको को उपलब्ध कराना एंव भारत व अमेरिका के नागरिको की स्वदेश वापसी में सहयोग का समर्थन करना रहा। साथ ही महामारी से उत्पन्न वैश्विक अस्थिरता एवं तनाव को संतुलित करते में सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया ताकि वैश्विक आर्थिक सुधार किया जा सके। हिन्द महासागर एवं दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिरोध के विषयो पर चर्चा कि गयी व हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति सुरक्षा विकास की साझा अवधारणा को सफल बनाने हेतु चर्चा हुयी, साथ ही दोनो देशों के मंत्रियों ने अफगान समस्या एवं अफगान शांति, लोकतांत्रिक मूल्य संरक्षण हेतु प्रयासो एवं संकल्प की विवेचना की गयी एवं चतुष्फलकीय संवाद (क्वाड) देशों की सम्मेलन पर परिचर्चा की गयी व मालाबार अभ्यास के आयोजन की समीक्षा किया गया। इस बैठक का महत्व भारत के लिये महत्वपूर्ण है क्योकि, चीन की विस्तारवादी नीतियों एवं भारत–चीन सीमा गतिरोध मे अमेरिका समर्थन को पुनः आश्वासन प्राप्त किया। दोनों देशी ने संयुक्त बयान में कहा कि किसी भी राष्ट्र के हित एवं अंतरराष्ट्रीय कानून के वैधता का हनन नहीं होना चाहिए।

इस तृतीय टू प्लस टू अमेरिका भारत संवाद मे रक्षा सहयोग को मजबूत करने हेतु भारत–अमेरिका चतुर्थ रक्षा सहयोग समझौता BECA (बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर संबंधि अंतिम वार्ता की जिससे इस समझौते का सफल क्रियान्वयन किया जा सके। इस बैठक का परिणाम यह हुआ कि भारत और अमेरिका ने BECA समझौता पर हस्ताक्षर किये।

BECA समझौता

भारत और अमेरिका पूर्व में तीन प्रमुख मूलभूत समझोतो पर हस्ताक्षर कर चुके हैं इसी क्रम में चौथा मूलभूत रक्षा समझौता एक दशक चर्चा पश्चात् भू–स्थानिक सहयोग के लिए बेसिक एक्सचेंज एंड कोआपरेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया गया। यह भारत और अमेरिका को भौतिकीय, भू–चुंबकीय, समुद्री और वैमानिकी चार्ट और नक्शे, गुरुत्वाकर्षण डेटा सहित उन्नत उपग्रह और स्थलाकृतिक डेटा के सैन्य जानकारी साझा करने में सहायक होगा, साथ ही भारत साकार के रक्षा मंत्रालय और अमेरिकी रक्षा विभाग की राष्ट्रीय भू–स्थानिक खुफिया एजेंसी के बीच

प्रस्तावित एक संचार समझौता है BECA द्वारा भारत को अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए गए विमानों पर उन्नत नव्हत सहायता और एटियोनिक्स प्रदान करते की अनुमति अमेरिकी सशस्त्र बालो को देगा।

भारत अमेरिका चतुर्थ टू प्लस टू संवाद

2+2 संवाद वैश्विक विकास एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रीय विषय के बारे मे विचार विमर्श एवं विचारो के आदान प्रदान करने हेतु उपयुक्त अवसर प्रदान करता है। ऐसा ही अवसर भारत एवं अमेरिका को चतुर्व टू प्लस टू संवाद मे प्राप्त हुआ जहाँ तेजी से बढ़ रही चीन की आक्रामक गतिविधयों एवं कोविड–19 की चुनौतियों से लेकर रूस – युक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक मुद्दो पर विचार आदान प्रदान किया गया यह संवाद उस मोड़ पर हुआ जहाँ यूरोपीय राष्ट्र भारत पर रूस के खिलाफ निन्दात्मक टिप्पड़ी के हेतु दबाव बना रहे है क्योंकि भारत उस विषय 'तटस्थ' रहकर अपने तेल आपूर्ति संबंधी रूस से आर्थिक गतिविधि बनाये हुये है। अतः इन महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गयी जिसकी पहल अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बीच 2+2 बैठक के पहले एक आभासी शिखर सम्मेलन से शुरू हुआ जिसके पश्चात् विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकेन और रक्षा संचिव लॉयड जे. ऑस्टिन ने 11 अप्रैल, 2022 को चतुर्थ भारत–यूएस 22 डायलॉग के लिए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत वॉशिंगटन डीसी में स्वागत किया।

भारत अमेरिका चतुर्थ टू प्लस टू संवाद के महत्वपूर्ण बिंदु

चतुर्थ 2+2 भारत अमेरिका संवाद में कोविद–19 महामारी से प्रभावित वैश्विक आर्थिक और स्थिरता को दूर करने, आपूर्ति श्रृंखला, जलवायु परिवर्तन की कार्यवाही एवं चीन की विस्तारवाद और आक्रामक का हिंद प्रशांत क्षेत्र पर प्रभाव एवं परिणामों की द्विपक्षीय विचारों का आदान प्रदान किया गया। इन समस्याओं के बीच रूस व यूक्रेन युद्ध में इन स्थितियों को और अधिक चिंतनीय बना दिया है क्योंकि इस युद्ध में केवल रूस यूक्रेन ही नहीं अपितु विश्व प्रभावित होगा, क्योंकि रूस पर प्रतिबिंब लगाने से रूस–चीन ध्रुवी की सक्रियता बढ़ेगी साथ ही यह एशिया एवं भारत के लिए गंभीर विषय साबित होगा। दोनों ने यूक्रेन में बिछड़ते मानवीय संकट का सामना करने में आपसी प्रयासों की समीक्षा एवं प्रभावों का आकलन किया। मंत्रियों ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति मुक्त और खुले वातावरण के लिए प्रयासों के विस्तार की रुचि साझा की जिसमें ब्लू डॉट नेटवर्क और बिल्ड बैंक बेटर वर्ल्ड b3w पहल के माध्यम से संबंध रहेंगे एवं भारत के पड़ोस देश अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा की। साथ ही श्रीलंका जिसकी खराब आर्थिक स्थिति एवं पाकिस्तान की अस्थिर राजनीतिक नाटक पर चर्चा की गई है। संवाद दोनों पक्षों का चिंता के मुद्दों को मिलकर हल करने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही दोनों पक्षों ने उन्नत संचार और प्रौद्योगिकी की क्वांटम विज्ञान कृत्रिम बुद्धिमत्ता सेमीकंडक्टर और जैव प्रौद्योगिकी जैसे जरूरी और उभरती प्रौद्योगिकी में सहयोग के लिए एक रूपरेखा और तैयार करने का निर्णय लिया साथ ही दोनों पक्षों को सामरिक मार्गदर्शन दृष्टिकोण प्रदान करने में सक्षम बनाएगा।

भारत–अमेरिका पंचम 2+2 संवाद

वैश्विक परिवेश में भारत और अमेरिका बढ़ते क्षेत्रीय संघर्षों व हिंसात्मक घटनाओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ाने व आपसी रणनीतिक साझेदारी को लचीला वह अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित भरोसेमंद साझेदारी बनाने हेतु पांचवें 2+2 मंत्री स्तरीय संवाद नई दिल्ली में 11 नवंबर 2023 को आयोजित किया गया जिसमें भारतीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने अमेरिकी राज्य सचिव महामहिम श्री एंटनी जे. ब्लिंकन और महामहिम रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन 3 का स्वागत किया।

इस वार्ता में हिंद–प्रशांत, मध्य पूर्व, इसराइल हमास संघर्ष से जनित मानवीय आपदाओं, यूक्रेन सहित अन्य विषयों में एक गहन चर्चा हुई जिसका आर्थिक–राजनीतिक समाधान ढूंढने में स्थिर शांति व्यवस्था कायम करने में अन्य राष्ट्रों व प्रमुख साझेदारों के साथ मिलकर राजनयिक समन्वय बनाए रखने हेतु प्रतिबंधता स्थापित करने की सहमति हुई एवं जून 2023 रोड मैप के अनुसार शुरू की गई। भारत अमेरिका रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग का विस्तार किया गया। इसके अलावा कानून प्रवर्तन व आतंकवाद रोधी सहयोगात्मकता को बढ़ाने, वाणिज्यिक और रक्षा दोनों

क्षेत्रों के अलावा 'अंतरिक्ष वाणिज्य' के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी की साझेदारी को बढ़ाना, स्वास्थ्य क्षेत्र व लोगों से लोगों के संबंधों को मजबूत करने हेतु अहम पहलुओं पर इस बैठक में चर्चा की गई, जो भारत अमेरिकी बहुद्देशी कनेक्टिविटी और बहुउद्देशीय कूटनीति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में अहम बैठक साबित होगी। इस बैठक में महत्वपूर्ण सहमतियों में भारत की यूएनएससी में स्थाई सदस्यता की मांग पर अमेरिकी सहयोग का सहमति व्यक्त करना महत्वपूर्ण रहा।

भारत अमेरिका संबंधों में तनाव के कारण

भारत अमेरिका संबंध एक सकारात्मक छवि को प्राप्त करते हुए दिखाई देते हैं, किंतु यदि भारत अमेरिका संबंधों का इतिहास की समीक्षा की जाए तो कई सहमति के बिंदु दिखाई पड़ते हैं जिनके कारण भारत अमेरिका संबंध जिनके कारण भारत, अमेरिका संबंध और संतुलित तलवार तराजू के पलड़े के समान है। वर्तमान समय में भारत अमेरिका के बीच कोई क्षेत्रीय विवाद नहीं है पर कुछ विषय विपक्ष व्यापार में कृषि उत्पादन, व्यापार सब्सिडी और कुछ उत्पादों पर आयात शुल्क में H1B वीजा जैसे मतभेद के बिंदु है, किंतु यह इतने गंभीर नहीं है जितना की निम्नलिखित मुद्दे हैं:

1. **भारत –पाकिस्तान–अमेरिका:** भारत अमेरिका के मध्य तनाव या असहमति का कारण पाकिस्तान रहा है, क्योंकि जहां एक और अमेरिका का पाकिस्तान को मानवीय सहायता या अन्य किसी भी प्रकार की सहायता करना भारत अमेरिका संबंधों को असहज बनता है, क्योंकि पाकिस्तान सदैव से आतंकवाद पोषक राष्ट्र के रूप में संदिग्ध भूमिका में रहा है। ऐसे में पाकिस्तान को की जाने वाली वित्तीय सहायता या वास्तविक उद्देश्य के लिए करेगा या नहीं या निश्चित नहीं है जो भारत पाकिस्तान रिश्तो में कटुता का प्रमुख कारण है। वहीं अमेरिका भारत को वैश्विक स्तर पर सहयोगी राष्ट्र मानता है एवं पाकिस्तान को एशिया क्षेत्र में अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी राष्ट्र मनाता है। ऐसे में पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी रुझान भारत के लिए असहज रहा है।
2. **भारत–रूस–अमेरिका:** भारत अमेरिका संबंध हाल के वर्षों में घनिष्ठ हुए हैं, किंतु रूस के मुद्दे पर भारत अमेरिका के पक्ष अलग–अलग रहे हैं। भारत रूस संबंध ऐतिहासिक रूप से मैत्रीपूर्ण घनिष्ठ रहा है, जबकि अमेरिका रूस संबंध शीत युद्ध की स्थिति में सदैव बने रहे हैं। हाल के समय में जब सभी राष्ट्र रूस के यूक्रेन पर आक्रमण की निंदा कर रहे हैं, जिसमें विशेष रूप से अमेरिका रूस यूक्रेन युद्ध में रूस विरोधी राष्ट्र रहा है जो अमेरिका–रूस संबंधों के टकराव को दर्शाता है। इस सभी के मध्य भारत इस युद्ध में यूक्रेन के खिलाफ रूस के आक्रमण की निंदा करने से दूरी रखने रहा है।

चाणक्य के कथन अनुसार: पड़ोसी का पड़ोसी आपका मित्र है क्योंकि यह आपके पड़ोसी के क्षेत्र का लालच कर सकता है, लेकिन जब तक वह आपका पड़ोसी नहीं बन जाता तब तक आप पर आक्रमण नहीं कर सकता। इस कथन से भारत रूस के संबंधों को स्पष्टता मिलती है कि भारत और रूस संबंध घनिष्ठ है, क्योंकि चीन के साथ भारतीय संबंधों की टकराव के बीच रूस के साथ मित्रता हमारी कूटनीति भी है।

निष्कर्ष

अंतरराष्ट्रीय जगत में सामूहिक सुरक्षा या संगठन व्यवस्था में जुड़कर राष्ट्र विकास पथ पर आगे बढ़ते हैं, किंतु भारत की विशिष्ट विदेश नीति जिसके तहत हम गुटनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में सभी देशों के साथ अपने संबंध को संतुलित करना होगा। चाहे वह भारत रूस संबंध हो या भारत अमेरिका संबंध। वर्तमान समय में चीन की प्रभुता व विस्तारवादी गतिविधियों के खिलाफ अमेरिका के स्पष्ट पक्ष में भारत द्वारा अमेरिका को न केवल सहयोग देना दक्षिण एशिया में सॉफ्ट पावर छवि निर्माण के लिए आवश्यक हैं, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए यह अमेरिकी सहयोग की साझेदारी के लिए भी आवश्यक है। भारत–अमेरिका 2+2 संवाद प्रारूप ने दोनों के मध्य राजनीतिक लाभ के पहलू को मजबूत किया है, बल्कि दोनों राष्ट्रों के मध्य द्विपक्षीय संबंधों को गहन करने की कुंजी साबित हुआ है। इस शिखर सम्मेलन के दौरान विज्ञान और रक्षा प्रौद्योगिकी व तकनीकी के कई क्षेत्रों पर चर्चा व विभिन्न

समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जो आधुनिक दुनिया की बदलती परिस्थितियों में दोनों देशों की दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जाते हैं, किंतु महत्वपूर्ण घोषणाओं के बावजूद तनाव के क्षेत्र बने हुए हैं। शायद सबसे अहम यह है कि अमेरिका ने काउंटिंग अमेरिका एडवाइस थ्रु सेक्शन एक्ट (CAASTA) के तहत भारत के खिलाफ प्रतिबंधों के चेतावनी पर स्पष्ट रास्ता नहीं उल्लेखित किया है। यह रूस निर्मित 5400 मिसाइल रक्षा प्रणालियों भारत द्वारा लंबित खरीद के प्रतिक्रिया में है, जबकि खरीद रूस की यूक्रेन पर आक्रमण से पहले की है। हिंद– प्रशांत क्षेत्र में भारत व अमेरिका के राजनीतिक साझेदारी है जो इस क्षेत्र में शांति व सुरक्षा को प्रेरित करेंगे किंतु इस साझेदारी में अमेरिका का मुलतः ध्यान व शांति उद्देश्य इंडो पेसिफिक कमांड में जिम्मेदारी के तहत प्रशांत क्षेत्र तक ही सीमित रहता है। वही भारत की जिम्मेदारी न केवल प्रशांत क्षेत्र अपितु भारतीय पश्चिमी तटों व हिन्द महासागर के संपूर्ण क्षेत्र तक विस्तारित होती है, क्योंकि भारत की प्राथमिक नौसैनिक चुनौतियां व सुरक्षा चुनौतियां, पश्चिमी और उत्तर पश्चिमी दोनो क्षेत्र जो हिंद महासागर में है फैली हुई है। अतः भारत के इन सभी उद्देश्यो को पूरा करने में भारत अमेरिका साझेदारी किस सीमा तक सफल साबित होंगे, यह परखा जाना अभी बाकी है।

संदर्भ सूची

1. http://www.insightsonindia.com/
2. https://theprint.in/
3. https://www.civilsdaily.com/
4. https://in.usembsassag.gov/hi/v-s-india-relations-bi/
5. संयुक्त राज्य अमेरिका और भारतः 21वीं साड़ी में स्थाई वैश्विक भागीदार, व्हाइट हाउस, 7 जून 2016, https://www.whitehouse.gov/omb/information-regulatory-affairs/reports/
6. भारत–अमेरिका 2+2 संबंध डॉ स्तुति बनर्जी 30 jan 2020 idea.in
7. https://pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1557922
8. http://www.indianembassyusa.gov.in/
9. http://idea.in/
10. economictimes.com
11. http://uncacademy.com/
12. https://www.chronicleindia.in/
13. http://drishtiias.com/
14. http://drishtiias.com/
15. theprint.in
16. http://firstpast.com/
17. http://wap.business-stundard.com/ [Blinker calls 4th India-Us 2+2 Dialogue]
18. http://nextias.com/ चौथा वार्शिक यूएस–भारत 2+2 डायलॉग
19. https://news.abplive.com/topic/india-us-2-2-dialogue
20. https://www.aajtak.in/world/story/american-state-department-on-relation-with-india-and-pakistan-in-asia-and-world-wide-tlifws-1580522-2022-11-22
21. https://www.nextias.com/current-affairs/01-10-2022/india-us-ties-depth-nuance/
22. https://www.bbc.com/hindi/india-60531406

23. https://timesofindia.indiatimes.com/readersblog/spark/kautilya-chanakya-in-indias-foreign-policy-34133/
24. https://thewire.in/books/chanakya-foreign-policy-narendra-modi
25. https://youtu.be/SJ9lUYIMj0I
26. https://www.nextias.com/current-affairs/12-04-2022/fourth-annual-us-india-22-ministerial-dialogue
27. https://www.cfr.org/timeline/us-india-relations
28. https://www.hindustantimes.com/india-news/what-are-the-2-2-talks-and-what-do-they-mean-for-us-and-india/story-JJBMLcMkoVQ7NYKUl17WdP.html
29. https://www.lowyinstitute.org/the-interpreter/india-us-two-plus-two-equals-hopes-and-troubles
30. https://www.firstpost.com/opinion/india-us-22-meeting-maturing-of-an-indispensable-partnership-10590611.html/amp
31. https://jia.sipa.columbia.edu/online-articles/us-india-22-dialogue
32. https://in.usembassy.gov/joint-statement-on-the-inaugural-u-s-india-22-ministerial-dialogue/
33. https://www.indiatoday.in/magazine/the-big-story/story/20180910-two-to-tango-india-us-embark-on-first-2-2-dialogue-1327248-2018-09-01
34. https://www.business-standard.com/article/pti-stories/india-us-set-for-a-productive-2-2-ministerial-dialogue-officials-119121700779_1.html
35. https://navbharattimes.indiatimes.com/india/all-you-need-to-know-about-two-plus-two-dialogue-india-first-started-ministerial-level-talks-with-us-and-now-have-this-mechanism-with-3-more-countries/articleshow/90774774.cms
36. https://timesofindia.indiatimes.com/india/first-22-dialogue-consequential-and-a-strategic-milestone-us/articleshow/65758777.cms
37. https://mea.gov.in/press-releases.htm?dtl/35689/IndiaUSA+22+Intersessional+Dialogue+September+07+2022+and+IndiaUSA+Maritime+Security+Dialogue+September+08+2022#:~:text=%E2%80%8BIndia%2DUSA%202%2B2,Ministry%20of%20External%20Affairs%2C%20Mr
38. https://youtu.be/XFs0KsBlQdM
39. https://youtu.be/SJ9lUYIMj0I
40. https://www.google.com/amp/s/www.orfonline.org/expert-speak/the-22-curtain-raiser-a-look-back-at-past-india-us-22-dialogues/
41. https://byjus.com/free-ias-prep/22-dialogue-rstv-in-depth/
42. https://youtu.be/edt3IODtmcE
43. https://youtu.be/DJJ_7ewl_IA
44. https://www.nextias.com/current-affairs/12-04-2022/fourth-annual-us-india-22-ministerial-dialogue
45. https://www.mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/37252/Joint_Statement_Fifth_Annual_IndiaUS_22_Ministerial_Dialogue
46. https://www.state.gov/joint-statement-on-the-fifth-annual-india-u-s-22-ministerial-dialogue/
47. https://in.usembassy.gov/joint-statement-on-the-fifth-india-u-s-strategic-dialogue/

****